भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

विवरणिका BROCHURE

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख	:	15 दिसम्बर, 2014
Date of Issue	:	15 December, 2014
मूल्यवर्ग	:	500 पैसा
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक–टिकटें	:	6 लाख*
Stamps Printed	:	0.6 Million*
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक–टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

* एक लाख प्रस्तावक हेतू
* 0.1 million for the proponent

मूल्य ₹ 5.00

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS) is an autonomous body under the Ministry of Human Resource Development (HRD), Government of India. It was formed through the approved scheme of Central School Organization 1962 to cater primarily to the educational needs of children of transferable Central Government Employees. The organization began with 20 Regimental Schools as Central Schools during 1963-64 and later registered as Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS) on 15th December, 1965.

Since its inception, KVS has grown in size from 20 schools to 1093 schools in 2013 located all over in India with around 10,58,450 students and 49,285 qualified teachers. The Sangathan has a three tier management structure: Headquarters, Regional Office managing a cluster of about 45-50 Kendriya Vidyalayas, and, Kendriya Vidyalayas spread all over the country and abroad, each having their own management committees. The Minister of Human Resource Development is the Chairman of the General Body of the Kendriya Vidyalaya Sangathan and the Board of Governors, which comprises of educationists, educational administrators and Members of Parliament.

The mission of KVS is to cater to the educational needs of the children of transferable Central Government employees, including Defence and Para-military personnel, by pursuing excellence and setting the pace in the field of school education. It also strives to initiate and promote experimentation and innovations in education, and, develop the spirit of national integration and create a sense of "Indian ness" among children.

The Sangathan with a pan India presence comprises of co-educational, composite schools which impart inclusive education. Affiliated to the Central Board of Secondary Education, the institution strives to maintain excellence in academic pursuits through an ideal and updated methodology. The schools of KVS have excellent infra-structure facilities like school buildings, class rooms, science laboratories, libraries, computer labs, maths laboratories, resource rooms, etc. It ensures uniform pattern of education in all its school with vocational streams at +1 and +2 levels. KVS has recently begun teaching foreign languages like German, Chinese, French from Class VI onwards. No tution fee is charged to boys upto Class VIII and to girls upto class XII. No fee is charged from single girl child and from children admitted under RTE Act – 2009.

The organisation nurtures all round development of a child through academic, performing and visual arts and a plethora of games and sports activity. Being a composite school system, it has designed child friendly curriculum for primary students. It has been given the status of a state for various National Level Competitions in the arena of science and sports.

Department of Posts lauds the exemplary work of the Kendriya Vidyalaya Sangathan in the field of school education, and commemorates the 50 years of its existence by issuing a Commemorative Postage Stamp.

Credits:-

Text	:	Based on the material furnished by the proponent
Stamp/FDC/ Cancellation Cachet	:	Alka Sharma

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एचआरडी), भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है। इसकी स्थापना केन्द्रीय विद्यालय संगठन, 1962 की अनुमोदित स्कीम के माध्यम से मुख्यतः केन्द्र सरकार के स्थानान्तरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई थी। 1963–64 के दौरान, इस संगठन की शुरुआत केन्द्रीय विद्यालय के रूप में 20 रेजिमेंटल विद्यालयों के साथ हुई तथा जो बाद में 15 दिसंबर, 1965 को केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के रूप में पंजीकृत हुआ।

अपनी स्थापना के समय से, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के विद्यालयों की संख्या 20 से बढ़कर 2013 में 1093 हो गई है। ये विद्यालय समूचे भारत में अवस्थित हैं, जिनमें 10,58,450 विद्यार्थी तथा 49,285 प्रशिक्षित अध्यापक हैं। इस संगठन की त्रिस्तरीय प्रबंधन संरचना है: मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय जो लगभग 45–50 केन्द्रीय विद्यालयों का प्रबंधन कार्य देखता करता है तथा देशभर में और विदेशों में स्थित केन्द्रीय विद्यालय, जिनकी अपनी प्रबंधन समितियां हैं। मानव संसाधन विकास मंत्री केन्द्रीय विद्यालय संगठन की साधारण सभा तथा बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, जिसमें शिक्षाविद, शैक्षिक प्रशासक तथा संसद सदस्य शामिल है, के अध्यक्ष है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता तथा गतिशीलता का अनुसरण करते हुए रक्षा तथा अर्द्धसैनिक कार्मिकों सहित केन्द्र सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करना है। यह शिक्षा में अभिनव तथा नवाचारी प्रयोग करने तथा इन्हें बढ़ावा देने तथा बच्चों में राष्ट्रीय एकता की भावना तथा भारतीयता की अनुभूति विकसित करने का भी प्रयास करता है।

यह संगठन संपूर्ण भारत में मौजूद है जिसमें सह–शिक्षा, संयुक्त विद्यालय शामिल हैं जिनमें समावेशी शिक्षा प्रदान की जाती है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध यह संस्था एक आदर्श तथा आधुनिक पद्धति के जरिए अकादमिक शिक्षा में उत्कृष्टता को बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के विद्यालयों में भवनों, कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, कम्प्यूटर प्रयोगशालाओं, गणित प्रयोगशालाओं, संसाधन कक्षों जैसी उत्कृष्ट ढांचागत सुविधाएं मौजूद हैं। यह अपने सभी विद्यालयों में + 1 तथा +2 स्तर की व्यावसायिक शिक्षा के साथ शिक्षा के एकरूप पैटर्न को सुनिश्चित करता है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने हाल ही में कक्षा VI से जर्मन, चीनी, फ्रेंच जैसी विदेशी भाषाएं पढ़ाना शुरू किया है। कक्षा VIII तक के बालकों तथा कक्षा XII तक की बालिकाओं से कोई शिक्षा–शुल्क नहीं लिया जाता है। इकलौती बालिका तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत दाखिल हुए बच्चों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

यह संगठन शैक्षिक, प्रदर्शनकारी एवं दृश्य कलाओं तथा खेल–कूद संबंधी अनेक कार्य–कलापों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहन देता है। सामासिक विद्यालयी प्रणाली होने के नाते, इसने प्राथमिक विद्यार्थियों के लिए बाल अनुकूल पाठ्यक्रम तैयार किया है। इसे विज्ञान एवं खेल–कूद के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए राज्य स्तर का दर्जा दिया गया है।

डाक विभाग विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अनुकरणीय कार्य की भूरि–भूरि प्रशंसा करता है तथा इसके अस्तित्व के 50 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी करके प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :–

पाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक–टिकट/
प्रथम दिवस आवरण/ विरूपण : अलका शर्मा